अनुक्रमणिका

अध्याय	विषय वस्तु	पृष्ठ संख्या
	कृतज्ञता	iii
	प्रक्कथन	v
अध्याय–1	**13वीं शताब्दी में भारतीय संगीत एंव इतिहास**	**1–35**
1.1	**दिल्ली सल्तनत**	**3**
1.1.2	गुलाम वंश 1206–1290	**5**
1.1.2	कुतुबुद्दीन ऐबक 1206–1210	**5**
1.1.3	शम्सुद्दीन इल्तुतमिश 1210–1236 ई०	**5**
1.1.4	रजिया सुल्तान 1236–40	**6**
1.2	13वीं शतााब्दी में भारत के अन्य राज्य	**7**
1.2.1	पाण्ड्य राजवंश (580ई०–1500ई०)	**8**
1.2.2	चोल राजवंश (871 ई०–1279 ई०)	**8**
1.2.3	चेर राजवंश (1700ई0पू0–1314ई0)	**9**
1.2.4	पूर्वी गंग राजवंश (496ई0–1434ई0)	**9**
1.2.5	मेवाड़ के गुहिल राजवंश(728ई0–1947ई0)	**10**
1.2.6	सौराष्ट्र चालुक्य (940ई०–1244ई०)	**10**
1.2.7	सेन वंश (1070–1230ई0)	**11**
1.2.8	परमार (800–1327ई0)	**11**
1.2.9	चन्द वंश (700–1790ई0)	**12**
1.2.10	होयसल वंश (1000–1346ई0)	**12**
1.2.11	काकतीय राजवंश (1000–1326ई0)	**13**
1.2.12	देवगिरि के यादव (850–1334ई0)	**13**
1.2.12.1	सिंहण द्वितीय 1210 से 1247	**16**
1.3	13वीं से 18वीं शताब्दी के मध्य रचित ग्रन्थ	**18**
1.3.1	पालकुरिकी सोमनाथ कृत पंडिताराध्य चरित्र	**19**

1.3.2	जयना कृत नृत्य रत्नावली	20
1.3.3	राणा हम्मीर देव कृत श्रृंगार हार	20
1.3.4	शारदातनय कृत भावप्रकाशन	21
1.3.5	आचार्य पार्श्वदेव कृत संगीत समासार	22
1.3.6	वाचनाचार्य सुधाकलश कृत संगीतोपनिषत्सारोद्धार	22
1.3.7	पं० लोचन कृत रागतरंगिणी	23
1.3.8	पंडित दामोदर कृत संगीत दर्पण	24
1.3.9	आर्चाय शुभांकर कृत संगीत दामोदर	25
1.3.10	पुंडरीक विठ्ठल कृत सद्रागचंद्रोदय, रागमाला रागमंजरी तथा नर्तन निर्णय	26
1.3.11	महाराणा कुम्भा कृत संगीत राज	27
1.3.12	राजा मानसिंह तोमर कृत मानकौतुहल	27
1.3.13	रामामात्य कृत स्वरमेलकलानिधि	28
1.3.14	पं० अहोबल कृत संगीत पारिजात	29
1.3.15	सोमनाथ कृत रागविबोध	30
1.3.16	पं० श्रीनिवास कृत रागतत्वविबोध	32
1.3.17	चतुर्दण्ड़ीप्रकाशिका	33
अध्याय–2	**पं० शारंगदेव जी का जीवनवृत्त**	**36–40**
अध्याय.3	**संगीत रत्नाकर का परिचय**	**41**
3.1	संगीत रत्नाकर का स्थान तथा रचनाकाल	43
3.2	संगीत रत्नाकर ग्रंथ की महत्व	44
3.3	संगीत रत्नाकर ग्रन्थ की टीकाएं	46
3.4	संगीत रत्नाकर के संस्करण	48
3.5	संगीत रत्नाकर ग्रन्थ का संक्षिप्तीकरण	52
3.5.1	स्वरगताध्याय	53
3.5.1.1	पदार्थ सग्रंह	53
3.5.1.2	पिण्डोंत्पत्ति प्रकरण	57

3.5.1.3	नाद, स्थान, श्रुति आदि तथा रस प्रकरण	59
3.5.1.4	ग्राम, मूर्च्छना, मूर्च्छना क्रम, तान प्रकरण	66
3.5.1.5	साधारण प्रकरण	72
3.5.1.6	वर्णालंकार प्रकरण	73
3.5.1.7	जाति प्रकरण	79
3.5.1.8	गीति प्रकरण	85
3.5.2	रागविवेकाध्याय	86
3.5.2.1	प्रथम प्रकरण ग्रामराग, उपराग, राग, भाषा, विभाषा, अन्तरभाषाविवेक नामक प्रकरण	87
3.5.2.2	दूसरा प्रकरण रागांगादि–निर्णय नामक	91
3.5.3	प्रकीर्णकाध्याय	108
3.5.3.1	वाग्गेकार के लक्षण	108
3.5.3.2	गमक	112
3.5.3.3	स्थाय	112
3.5.3.4	मिश्र स्थाय	114
3.5.3.5	रागालाप्ति	116
3.5.3.6	रूपकालप्ति	116
3.5.3.7	बृन्द	117
3.5.4	प्रबन्धाध्याय	117
3.5.4.1	गीत प्रबन्ध	118
3.5.4.2	धातु लक्षण एवं भेद	119
3.5.4.3	प्रबन्ध भेद एवं अंग	119
3.5.4.4	गीत के गुण–दोष	130
3.5.5	तालाध्याय	131
3.5.5.1	मार्गी ताल	131
3.5.5.2	देशी ताल	140
3.5.6	वाद्याध्याय	143

3.5.7	नृत्याध्याय	144
अध्याय–4	**वाद्यों की एतिहासिकता एंव वाद्य वर्गीकरण संगीत रत्नाकर के संदर्भ में**	**148–188**
4.1	वाद्यों का उद्भव	149
4.2	वाद्य वर्गीकरण	152
4.2.1	तत् वाद्य	157
4.2.2	अवनद्ध वाद्य	150
4.2.3	सुषिर वाद्य	160
4.2.3	घन वाद्य	161
4.3	संगीत रत्नाकर वर्णित वाद्याध्याय	163
4.3.1	वाद्य वर्गीकरण	164
4.3.2	तन्त्री वाद्य	166
4.3.3	सुषिर वाद्य	166
4.3.3.1	वंश	167
4.3.3.2	पाव	171
4.3.3.3	पाविका	171
4.3.3.4	मुरली	171
4.3.3.5	मधुकरी	171
4.3.3.6	काहला	172
4.3.3.7	तुण्डकिनी	172
4.3.3.8	चुक्का	172
4.3.3.9	श्रृंग	172
4.3.3.10	शंख	173
4.3.4	अवनद्ध वाद्य	173
4.3.4.1	पटह	174
4.3.4.1.1	मार्गी पटह	174
4.3.4.1.2	देशी पटह	174

4.3.4.2	मर्दल	175
4.3.4.3	हुडुक्का	177
4.3.4.4	करटा	177
4.3.4.5	घट	178
4.3.4.6	घडस	178
4.3.4.7	ढ़वस	178
4.3.4.8	ढ़क्का	178
4.3.4.9	कुडुक्का	179
4.3.4.10	कुडुवा	179
4.3.4.11	रूंजा	179
4.3.4.12	डमरूक	180
4.3.4.13	डक्का	180
4.3.4.14	मणिडडक्का	180
4.3.4.15	ड़क्कुली	181
4.3.4.16	सेल्लुका	181
4.3.4.17	झल्लरी	181
4.3.4.18	भाण	181
4.3.4.19	त्रिवली	182
4.3.4.20	दुन्दुभि	182
4.3.4.21	भेरी	182
4.3.4.22	निःसाण	182
4.3.4.23	तुम्बकी	183
4.3.4.24	काष्ठलक्षणम्	183
4.3.4.25	चमड़े के गुण	183
4.3.5	घन वाद्य	184
4.3.5.1	ताल	184
4.3.5.2	कास्यताल	185

4.3.5.3	घटां	**185**
4.3.5.4	क्षुद्रघंटिका	**185**
4.3.5.5	जयघण्टा	**185**
4.3.5.6	क्रमा	**185**
4.3.5.7	शुक्ति	**186**
4.3.5.8	पट्ट	**186**
4.3.5.9	गुण एंव दोष	**186**
4.3.5.10	वादक के गुण एंव दोष	**187**
4.3.5.11	वादक के हस्त गुण	**187**
अध्याय–5	**संगीत रत्नाकर में वर्णित वाद्यों का अध्ययन**	**189–330**
5.1	तन्त्री वाद्य	**191**
5.2.1	एकतन्त्री वीणा	**195**
5.2.1.1	पं० शारंगदेव वर्णित एकतन्त्री वीणा के लक्षण	**200**
5.2.1.2	एकतन्त्री की स्तुति	**204**
5.2.1.3	एकतन्त्री वीणा में देवताओं का स्थान	**205**
5.2.1.4	एकतन्त्री को धारण करने व वादन की विधि	**205**
5.2.1.5	वीणा वादन की विधि	**211**
5.2.1.6	विचित्र वीणा	**215**
5.2.1.7	स्व० पं० लालमणि मिश्र	**218**
5.2.2	नकुल	**221**
5.2.3	त्रितन्त्री	**223**
5.2.3.1	यन्त्र	**227**
5.2.3.2	सितार	**228**
5.2.3.2.1	सितार वाद्य का स्वरूप	**234**
5.2.3.2.2	सितार में प्रयुक्त होने वाली तकनीकी परिभाषायें	**235**
5.2.3.2.3	सितार के विभिन्न बाज	**237**
5.2.3.2.4	सितार के प्रकार	**240**

5.2.3.2.5	पं० रविशंकर	241
5.2.3.2.6	उ० विलायत खाँ	245
5.2.3.3	तम्बूरा	248
5.2.3.3.1	तानपुरे का स्वरूप	253
5.2.4	चित्रा	254
5.2.4.1	रबाब	258
5.2.4.2	सुरसिंगार	262
5.2.4.3	सरोद	264
5.2.4.3.1	सरोद की बनावट	264
5.2.4.3.2	उस्ताद अलाउद्दीन खाँ	266
5.2.4.3.3	उस्ताद अमजद अली खाँ	268
5.2.5	विपंची	269
5.2.5.1	संतूर	274
5.2.5.1.1	संतूर वाद्य की बनावट	276
5.2.5.1.2	शिव कुमार शर्मा	277
5.2.5.1.3	भजन सोपोरी	278
5.2.5.2	कानून	279
5.2.6	मत्तकोकिला	281
5.2.6.1	स्वरमंडल	287
5.2.7	आलापिनी	290
5.2.7.1	तुइला	296
5.2.8	किन्नरी वीणा	297
5.2.9	पिनाकी वीणा	309
5.2.9.1	वायलिन / बेला	317
5.2.9.1.1	वायलिन के अंग	320
5.2.9.1.2	पद्म भूषण वी० जी० जोग	321
5.2.9.1.3	पद्मश्री व पद्मभूषण एन० राजम्	323

5.2.10	निःशंक वीणा	**324**
	उपसंहार	**330–334**
	संदर्भिका	**335–341**
शोध–लेख–1	**भैरवी– संगीतरत्नाकर वर्णित तन्त्री वाद्य : एक अध्ययन**	**343**
शोध–लेख–2	**संगीतिका– पं० शारंगदेव जी द्वारा वर्णित पिनाकी वीणा**	**352**

****